


एवं प्रार्थी संपत्ति, प्राप्ति पत्र प्रथम दृश्य
संप्रदायिक शक्ति के सिद्ध या सिद्ध करने
में विफल रहा है। प्रार्थी का एक हितक
जनक है या नहीं, प्रार्थी का हितक
होगा, जब तक संप्रदायिकों का अर्थ
में संपत्ति एक न सन्धिप्राप्त हो वंचित नहीं
रख सकत है। अतः प्रथम दृश्य प्राप्त
संप्रदायिकों का सन्धिपत्र व संप्रदायिक शक्ति
के सिद्ध या संप्रदायिकों द्वारा प्राप्त
पत्र सिद्ध करने में असफल रहे हैं। अतः
प्रार्थी का प्राप्ति अन्वय प्रार 212
R.T. Act खारिज किया जाता है।
प्रार्थी के पत्र शुभ्य होकर नम्बर
के अन्तर्गत है।


 सहायक सचिव
 संप्रदायिक अधिकारी
 सिविल सदन (कोलकाता)